लापरवाही

पर्यटन और एडवेंचर हब के रूप में विकसित करने के लिए 9 साल पहले बनी थी योजना, ट्रेकिंग पाथ तक क्षतिग्रस्त

करोड़ों खर्च होने के बाद भी सुखी डैम बदहाल

नवभारत, कटनी। शहर के प्रसिद्ध सुखी डैम को पर्यटन और एडवेंचर टूरिज्म हब के रूप में विकसित करने की करीब 9 साल पुरानी 8 करोड़ 59 लाख की महत्वाकांक्षी योजना अब बदहाल व्यवस्थाओं के बीच सवालों के घेरे में है। योजना का उद्देश्य सुखी डैम को अंतरराष्ट्रीय स्तर का पर्यटन केंद्र विकसित करना था, लेकिन वर्तमान स्थिति में यहां पहुंचने वाले पर्यटकों को सुविधाओं के बजाय असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। जलाशय के प्राकृतिक नजारों का आनंद लेने और टहलने के लिए बनाया गया ट्रेकिंग पाथ जगह-जगह क्षतिग्रस्त है। पाथ में गहरे गड्ढे होने के साथ बारिश का पानी और कीचड़ जमा है, जिससे फिसलन बढ़ गई है। निर्माण में घटिया सामग्री के इस्तेमाल और नियमित रखरखाव की कमी के आरोपों के बीच बच्चों और बुजुर्गों के लिए यहां पैदल चलना जोखिम भरा बताया जा रहा है। डैम तक पहुंचने वाली सीढ़ियां भी बदहाल हैं।

पर्यटकों के विश्राम के लिए लगाई गई कुर्सियां टूटकर बिखरी पड़ी हैं। परिसर में झाड़ियों का फैलाव और अव्यवस्था पर्यटन स्थल की मौजूदा स्थिति पर सवाल खड़े कर रही है। परियोजना की शुरुआत में सुखी डैम को महज पिकनिक स्पॉट के बजाय एडवेंचर स्पोर्ट्स सेंटर के रूप में विकसित करने की योजना बनाई गई थी। इसमें जेट स्की, बनाना बोट, पैरासेलिंग, जिपलाइन, वॉटर स्कूटर और वॉटर रोलर जैसी गतिविधियां शुरू करने का प्रस्ताव था। इसके जरिए बाहरी पर्यटकों की संख्या बढ़ाने और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा करने का लक्ष्य रखा गया था। वर्तमान स्थिति में इन साहसिक गतिविधियों के शुरू होने से पहले ही पर्यटकों के लिए सुरक्षित पैदल आवागमन जैसी बुनियादी व्यवस्था भी सवालों के घेरे में है। निर्माण कार्य में लापरवाही और गुणवत्ता को लेकर उठ रहे सवालों के बीच जल संसाधन विभाग संबंधित ठेकेदार का टेंडर निरस्त करने की कार्रवाई कर रहा है।

विभाग की ओर से की जा रही इस कार्रवाई ने निर्माण की निगरानी और प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए हैं। सवाल यह है कि निर्माण के दौरान विभागीय इंजीनियरों और पर्यवेक्षकों ने काम की गुणवत्ता की समय पर जांच क्यों नहीं की। यदि निर्माण कार्य तय मानकों के अनुरूप नहीं था, तो निर्माण एजेंसी को अब तक किस आधार पर भुगतान किया गया।

टेंडर निरस्त होने के बाद दोबारा प्रक्रिया शुरू करने और अधूरे काम को पूरा करने में कितना अतिरिक्त समय लगेगा और जनता के पैसे से कितनी अतिरिक्त राशि खर्च होगी, यह भी बड़ा सवाल है।

वार्ड का किया निरीक्षण, वार्डवसियों से किया संवाद

रामकृष्ण परमहंस वार्ड पहुंची महापौर, किया भ्रमण

नवभारत, कटनी। नगर में जल निकासी एवं सुगम आवागमन से जुड़ी नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने मंगलवार को रामकृष्ण परमहंस वार्ड, निर्मल धाम सहित मंगल नगर क्षेत्र का निरीक्षण किया। महापौर ने विभिन्न क्षेत्रों में पैदल भ्रमण कर मौके की स्थिति का जायजा लिया और नागरिकों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याओं और परेशानियों की जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान नागरिकों द्वारा जल निकासी, मार्गों पर आवागमन एवं अन्य स्थानीय समस्याओं से महापौर को अवगत कराया गया। महापौर ने संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए समस्याओं के निराकरण के साथ-साथ तत्काल वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि नागरिकों को आवागमन में परेशानी न हो और व्यवस्था सुचारु बनी रहे। महापौर ने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही न हो और मौके की वास्तविक स्थिति के अनुसार आवश्यक कार्रवाई प्राथमिकता से सुनिश्चित की जाए। उन्होंने संबंधित क्षेत्रों में व्यवस्थाओं की निरंतर निगरानी रखने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती शकुंतला सोनी सहित नगर निगम के संबंधित उपयंत्री और अन्य अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थित रहे।

एक नजर में

आचार्य कृपलानी वार्ड में आचार संहिता प्रभावी

नवभारत, कटनी। नगर पालिक निगम कटनी के वार्ड क्रमांक 41 आचार्य कृपलानी वार्ड में रिक्त पार्षद पद के होने वाले उप निर्वाचन 2026 के मद्देनजर आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गई है। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा उप निर्वाचन वर्ष-2026 के लिए निर्वाचन कार्यक्रम जारी किए जाने के बाद नगर निगम क्षेत्र के संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में तत्काल प्रभाव से आदर्श आचार संहिता लागू की गई है। नगर निगम आयुक्त हरसिमरनप्रीत कौर आईएएस द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा 31 अगस्त 2026 को जारी निर्वाचन कार्यक्रम तथा कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, कटनी के आदेश के क्रम में नगर निगम कटनी के वार्ड क्रमांक 41 आचार्य कृपलानी वार्ड के निर्वाचन क्षेत्र में आदर्श आचरण संहिता निर्वाचन परिणाम की घोषणा 3 अक्टूबर 2026 दिन शनिवार तक प्रभावशील रहेगी। आदेश के माध्यम से नगर निगम के उपायुक्त, कार्यपालन यंत्री, विद्युत और लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री, जल प्रदाय विभाग, स्वास्थ्य अधिकारी, लेखा अधिकारी, कार्यालय अधीक्षक, राजस्व अधिकारी, निर्वाचन शाखा प्रभारी, मुख्य स्टोर प्रभारी सहित संबंधित अधिकारियों को आदर्श आचरण संहिता के प्रावधानों का पूर्णत: पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

सहायक विकासखंड प्रबंधक की सेवा समाप्त

नवभारत, कटनी। मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की अतिरिक्त मिशन संचालक सह जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरसिमरनप्रीत कौर ने जिले की जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा में पदस्थ सहायक विकासखंड प्रबंधक सुधीर कुमार बिंद के विरुद्ध संविदा सेवा समाप्त करने की कार्रवाई की है। कलेक्टर और जिला मिशन संचालक के अनुमोदन पर जिला पंचायत सीईओ संविदा सेवा समाप्ति का आदेश जारी किया।

हलषष्ठी के रूप में मनाई जाती है बलराम जयंती

बलराम जयंती के अवसर पर कॉलेज में किया गया आयोजन

नवभारत, उमरियापान। जिले के उमरियापान शासकीय महाविद्यालय में बुधवार को भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वावधान में बलराम जयंती और कृषि उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में भगवान बलराम के जीवन, उनके व्यक्तित्व और भारतीय कृषि परंपरा में उनके महत्व से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां विद्यार्थियों के साथ साझा की गईं। भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की प्रभारी डॉ दीपिका जैन ने भगवान बलराम के जीवन से जुड़ी विभिन्न कथाओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि बलराम जयंती को कृषि उत्सव के रूप में क्यों मनाया जाता है । उन्होंने भगवान बलराम को हलधर कहे जाने के कारण और भारतीय ज्ञान परंपरा में हल और कृषि के महत्व के संबंध में जानकारी दी। बराष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ अभिलाषा चौरसिया ने बताया कि भारतीय परंपरा में बलराम जयंती को हलषष्ठी पर्व के रूप में भी मनाया जाता है । इस दिन महिलाएं व्रत-उपवास रखकर प्रकृति की पूजा करती हैं और धरती माता का आशीर्वाद प्राप्त करने की परंपरा निभाती हैं। उन्होंने हलषष्ठी व्रत से जुड़ी मान्यताओं और कथाओं की जानकारी भी विद्यार्थियों को दी।

आरक्षण सुधार और सवर्ण आयोग गठन करने की मांग, सौंपा ज्ञापन

ढीमरखेड़ा में आयोजित की गई जनसभा

नवभारत, ढीमरखेड़ा। आरक्षण व्यवस्था की समीक्षा और व्यापक सुधारों की मांग को लेकर ढीमरखेड़ा तहसील मुख्यालय पर सवर्ण समाज द्वारा एक शांतिपूर्ण जनसभा का आयोजन किया गया। जनसभा के के बाद समाज के प्रतिनिधियों ने ढीमरखेड़ा एसडीएम को राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। आयोजन में मुख्य वक्ता के रूप में पहुंचे भेड़ा वाले ब्रह्मनंद दास जी महाराज सहित विभिन्न वक्ताओं ने जनसभा को संबोधित किया। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन किसी जाति या समुदाय के विरोध में न होकर आरक्षण सुधार के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। इसका ध्येय किसी के अधिकार छीनना नहीं, बल्कि वास्तविक जरूरतमंदों तक लाभ पहुंचाना है। इस दौरान समाज ने नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर 21 अगस्त 2026 से जारी राष्ट्रव्यापी आंदोलन का पूर्ण समर्थन व्यक्त किया। जातिगत आरक्षण की समीक्षा कर गरीबी व आर्थिक स्थिति को आरक्षण का मुख्य आधार बनाया जाए। आरक्षित वर्गों में आर्थिक रूप से संपन्न परिवारों के लिए क्रीमीलेयर का प्रावधान किया जाए ताकि लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। आर्थिक रूप से कमजोर सवर्ण परिवारों के मेधावी युवाओं के कल्याण के लिए अलग 'सवर्ण आयोग' बनाया जाए। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नए नियमों को वापस लेने और 2018 में एससी-एसटी एक्ट पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए दिशानिर्देशों को दोबारा लागू करने की मांग की गई। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि भूख की कोई जाति नहीं होती और आंसुओं का कोई धर्म नहीं होता। गरीबी उपनाम देखकर नहीं आती।

डॉ भीमराव आंबेडकर, डॉ एपीजे अब्दुल कलाम और भारतीय सेना के जवानों का उदाहरण देते हुए वक्ताओं ने कहा कि देश की सीमाओं पर जवान जाति देखकर रक्षा नहीं करते, उसी प्रकार राष्ट्र विकास में भी प्रतिभा और आर्थिक जरूरत के आधार पर सभी को समान अवसर मिलना चाहिए।

आभूषण दुकान में चोरी करने के आरोप में तीन महिलाएं गिरफ्तार

सिलौड़ी स्थित दुकान में हुई थी चोरी, पुलिस ने की कार्रवाई

नवभारत, ढीमरखेड़ा। ज्वेलरी के दुकान में चोरी करने के आरोप में पुलिस ने तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से चोरी किए गए आभूषण का बरामद कर लिया गया है। ढीमरखेड़ा थाना प्रभारी महिला रघुवंशी ने बताया कि सिलौड़ी निवासी अमित प्रसाद सोनी द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई थी कि एक अगस्त को वह ग्राम सिलौड़ी स्थित अपनी ज्वेलरी दुकान पर ग्राहकों को सोने के जेवर दिखा रहा था। दुकान पर काफी भीड़-भाड़ थी। इसी दौरान तीन महिलाएं दुकान पर आईं और जेवर देखने लगीं। भीड़ का फायदा उठाकर महिलाओं द्वारा करीब 1 लाख 52 हजार कीमत के सोने के जेवर चोरी कर लिए गए। पुलिस ने शिकायत पर मामला दर्ज कर प्रकरण को विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान पुलिस टीम ने संदेह के आधार पर नरसिंहपुर जिले की निवासी सुमन उर्फ रोशनी सिलावट, लक्ष्मी उर्फ नेहा चौधरी, तरूणा उर्फ तनू चौधरी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान तीनों महिलाओं द्वारा अपराध करना स्वीकार किया गया।

आरोपियों से चोरी किए गए सोने के जेवर बरामद कर लिए गए हैं। कार्रवाई में ढीमरखेड़ा थाना प्रभारी महिमा रघुवंशी, एसआई अनिल पांडे, प्रधान आरक्षक अतुल शर्मा, आरक्षक धर्मवीर सिंह, रामसेवक विश्वकर्मा महिला आरक्षक शिवानी पटेल की भूमिका रही।

चाकू लहराकर दहशत फैलाने वाला युवक गिरफ्तार

रंगनाथ नगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने की कार्रवाई

नवभारत, कटनी। रंगनाथ नगर थाना क्षेत्र में चाकू लहराकर दहशत फैलाने वाले युवक को पुलिस ने धरदबोचा है। आरोपी से पुलिस ने चाकू को जब्त कर लिया है। पुलिस ने बताया कि 2 अगस्त थाना रंगनाथ नगर क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की जा रही थी, इस बीच मुखबिर से सूचना मिली कि एम्बुलेंस रोड ग्राउंड के पास एक युवक धारदार चाकू लहराकर आने-जाने वाले लोगों को परेशान कर रहा है। सूचना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने युवक को घेराबंदी कर पकड़ लिया। पकड़ा गया आरोपी फारेस्टर वार्ड निवासी प्रियांशु पिता हीरालाल सूर्यवंशी है। आरोपी से चाकू बरामद किया गया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी एसआई सिद्धार्थ राय, प्रधान आरक्षक प्रमोद सिंह, महेंद्र दुबे, पवन पाठक, अजय तिवारी, आरक्षक वीरेंद्र दहायत, माधव साहू की भूमिका रही।

बीईओ और मंडी सचिव को नोटिस, जवाब-तलब

समय-सीमा की बैठक में अनुपस्थित रहने पर मांगा जवाब

नवभारत, कटनी। शासन की योजनाओं और विभागीय कार्यों की समीक्षा के लिए आयोजित होने वाली समय-सीमा बैठक में बिना अनुमति और पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहने पर कलेक्टर आशीष तिवारी ने रीठी के विकासखंड शिक्षा अधिकारी इसहॉक मिंज और कृषि उपज मंडी के सचिव मनीष मंडावी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। दोनों अधिकारियों से 7 दिवस के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। सोमवार को आयोजित समय-सीमा बैठक में दोनों अधिकारी बिना अनुमति और पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाए गए। कलेक्टर ने उनकी अनुपस्थिति को निर्देशों की अवहेलना, पदीय दायित्वों के निर्वहन में उदासीनता और शासन के कार्यों के प्रति लापरवाही माना है। जारी कारण बताओ नोटिस में कलेक्टर ने उल्लेख किया है कि दोनों अधिकारियों का उक्त कृत्य लोकसेवक पद के अपेक्षित आचरण के विपरीत है तथा मध्यप्रदेश सिविल सेवा नियम का उल्लंघन है। अधिकारियों को नोटिस प्राप्त होने के 7 दिवस के भीतर अपना जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित अवधि में संतोषप्रद जवाब प्राप्त नहीं होने पर उनके विरुद्ध एकपक्षीय अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। गौरतलब है कि प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाली समय-सीमा बैठक में जिले में संचालित महत्वपूर्ण योजनाओं, विभागीय कार्यों, सीएम हेल्पलाइन, टीएल में दर्ज पत्रों के निराकरण की प्रगति की समीक्षा की जाती है। ऐसे में संबंधित अधिकारियों की बैठक में नियमित उपस्थिति को उनके विभागीय दायित्वों का महत्वपूर्ण हिस्सा माना गया है।

गर्भवती महिलाओं की करें पहचान, संस्थागत प्रसव के लिए करें प्रेरित

जबलपुर से आई टीम ने किया निरीक्षण

नवभारत, ढीमरखेड़ा। जिले के ढीमरखेड़ा ब्लॉक में अस्पताल के बजाय घर पर ही प्रसव के बढ़ते आंकड़ों ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव कराने और मातृ-शिशु मृत्यु दर पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जबलपुर क्षेत्रीय निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं की टीम ने क्षेत्र में पहुंचकर जमीनी हकीकत का निरीक्षण और समीक्षा की। निरीक्षण दल में शामिल प्रभा सिंह और ज्योति लिल्हारे ने स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों, एएनएम और आशा कार्यकर्ताओं की कार्यप्रणाली की समीक्षा की। जांच टीम ने सिर्फ कागजी समीक्षा नहीं की, बल्कि जिन परिवारों में हाल ही में घर पर प्रसव हुए थे, उनके घर-घर जाकर सीधे हितग्राहियों से संपर्क किया। अधिकारियों ने ग्रामीणों को घर पर होने वाली डिलीवरी के खतरों से अवगत कराया और भविष्य में अस्पताल में ही प्रसव कराने की समझाइश दी। समीक्षा के दौरान यह बात सामने आई कि ढीमरखेड़ा ब्लॉक का बड़ा हिस्सा वनांचल और दुर्गम इलाकों से घिरा है। खराब सड़कों, जननी एक्सप्रेस, एंबुलेंस के देर से पहुंचने और जागरूकता के अभाव के चलते कई ग्रामीण परिवार आपात स्थिति में महिला को अस्पताल ले जाने के बजाय घर पर ही प्रसव कराने को मजबूर हो जाते हैं। जांच टीम ने स्वास्थ्य अमले को कड़े निर्देश जारी किए हैं कि गर्भवती महिलाओं की समय पर मैपिंग और ट्रैकिंग सुनिश्चित की जाए। जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान पहले से कर, उनकी संभावित डिलीवरी डेट से पूर्व ही उन्हें नजदीकी अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था हो। जननी सुरक्षा योजना की प्रोत्साहन राशि का समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए ताकि ग्रामीण संस्थागत प्रसव के लिए प्रेरित हों।

कार्यक्रम

बलराम महोत्सव में प्राकृतिक खेती, उन्नत कृषि और आधुनिक कृषि यंत्रों की प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केन्द्र

प्राकृतिक खेती के महत्व के साथ ही किसानों को बताए कम लागत में उन्नत खेती के तरीके

नवभारत, कटनी। कृषि संबंधी पारंपरिक गतिविधियों को बढ़ावा देने, प्राकृतिक खेती के प्रति किसानों को जागरूक करने तथा आधुनिक कृषि तकनीकों से परिचित कराने के उद्देश्य से बलराम जयंती के अवसर पर बुधवार को कृषि विज्ञान केंद्र पिपरौंध में आत्मा योजना अंतर्गत कृषक संगोष्ठी एवं बलराम महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर भी मौजूद रहीं। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष दीपक टंडन सोनी की अध्यक्षता में आयोजित बलराम महोत्सव में प्राकृतिक खेती संबंधी प्रदर्शनी, कृषक-वैज्ञानिक संवाद, कृषि तकनीकी सत्र और आधुनिक कृषि यंत्रों की प्रदर्शनी जैसी गतिविधियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम के दौरान कृषि वैज्ञानिकों ने वर्तमान खरीफ फसलों धान, मूंग, उड़द और अरहर की उन्नत उत्पादन तकनीकों के बारे में किसानों को विस्तार से जानकारी दी। वैज्ञानिकों ने फसल उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ खेती में लागत कम करने और मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के लिए वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाने पर जोर दिया। तकनीकी सत्र में कृषि अधिकारियों द्वारा संतुलित उर्वरकों के प्रयोग, प्राकृतिक खेती, कीट प्रबंधन और अधिक उत्पादन की तकनीकों की जानकारी दी गई। किसानों को प्राकृतिक खेती के महत्व, फसल सुरक्षा और कृषि में उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग के संबंध में भी मार्गदर्शन दिया गया। कृषकों को पारंपरिक फसलों के साथ चिया फसल और औषधीय फसलों की खेती की संभावनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया गया। किसानों को इन फसलों की उत्पादन तकनीक और कृषि क्षेत्र में इनके महत्व को बताया गया। बलराम महोत्सव के दौरान कृषक-वैज्ञानिक संवाद का आयोजन भी किया गया। इसमें किसानों ने खेती से संबंधित अपनी जिज्ञासाएं और समस्याएं विशेषज्ञों के समक्ष रखीं, जिनका वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों द्वारा तकनीकी समाधान बताया गया। आधुनिक कृषि यंत्रों की प्रदर्शनी के माध्यम से किसानों को कृषि कार्यों में तकनीक के उपयोग और श्रम और लागत को कम करने के तरीकों से भी परिचित कराया गया। कार्यक्रम के दौरान उपसंचालक कृषि खेलावन डेहेरिया, पर्यावरणविद एवं मानव जीवन विकास समिति के सचिव निर्भय सिंह, डॉ रामनाथ पटेल, रजनी चौहान, अनुविभागीय अधिकारी पूनम गर्ग, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ संजय वेसंपायन, डॉ आरपी बेन, डॉ केपी द्विवेदी, डॉ आरके मिश्रा, जिला मंत्री मनीष दुबे, जिला मीडिया प्रभारी विवेक गुप्ता, जिले के सभी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, मौजूद रहे।

जन्माष्टमी पर बेहतर रहे आवागमन और सुरक्षा व्यवस्था

डीएसपी और यातायात थाना प्रभारी ने किया निरीक्षण

नवभारत, कटनी। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव को लेकर पुलिस ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था की तैयारियां तेज कर दी हैं। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रमुख मंदिरों, आयोजन स्थलों और जुलूस मार्ग पर विशेष निगरानी और यातायात प्रबंधन की योजना तैयार की जा रही है। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, डीएसपी अजाक शिवा पाठक ने लक्ष्मी नारायण मंदिर, श्री सत्य नारायण मंदिर सहित प्रमुख आयोजन स्थलों और निर्धारित जुलूस मार्ग का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मौके पर सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, यातायात संचालन और पार्किंग की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जुलूस मार्ग में भीड़ और यातायात दबाव वाले संभावित स्थानों को चिन्हित कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही आयोजन समिति के पदाधिकारियों से चर्चा कर पुलिस और आयोजकों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया गया, ताकि महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इस दौरान निरीक्षक एवं थाना प्रभारी यातायात अनूप सिंह, निरीक्षक सुरेन्द्र शर्मा, शशिभूषण दुबे और किशोर कुमार द्विवेदी सहित आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जन्माष्टमी महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम यातायात और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता रहेगी।